newsjankalyanseva@gmail.com

साप्ताहिक

जनकल्याण सेवा

ठाणे | वर्ष - २२ | अंक - ४८ | १८ से २४ दिसंबर २०२३ | पृष्ठ - ४ | कीमत : २ रु. | Postal Reg. No. PLG/08/2022-2024

संपादकीय

संपादक सीमा गुप्ता

संसद की सुरक्षा पर उठे सवाल

संसद परिसर में किसी बाहरी व्यक्ति के दाखिल होने को लेकर बहुस्तरीय और कई परतों में किए गए सुरक्षा जांच इंतजामों के बावजूद ऐसा कैसे संभव हुआ! मौजूदा संसद सत्र के दौरान बुधवार दोपहर को लोकसभा में जो हुआ, उससे यही पता चलता है कि देश की राजधानी में सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली इमारत की सुरक्षा व्यवस्था भी घोषित दावे के आईने में किस हालत में है। गौरतलब है कि संसद में लोकसभा के भीतर चलती सदन में दर्शक दीर्घा से दो युवक ऊपर से कूदे और उन्होंने स्मोग स्प्रे के जरिए धुआं फैला दिया। जाहिर है, उनके पास ऐसी चीजें थीं, जिन्हें संसद के भीतर ले जाना प्रतिबंधित है। सवाल है कि संसद परिसर में किसी बाहरी व्यक्ति के दाखिल होने को लेकर बहुस्तरीय और कई परतों में किए गए सुरक्षा जांच इंतजामों के बावजूद ऐसा कैसे संभव हुआ! लोकसभा के भीतर पहुंचे दो लोगों ने जो किया, अब पकड़े जाने के बाद अब उनके खिलाफ कानूनी प्रक्रिया चलेगी। मगर इससे यही पता चलता है कि युवकों के अपने मकसद को अंजाम देने की जिम्मेदारी उसके भीतर जाने की इजाजत मिलने की प्रक्रिया में शामिल लोगों के अलावा संसद की सुरक्षा व्यवस्था को सुनिश्चित करने वाली इकाई की भी है, जिसमें लापरवाही बरती गई। संसद के बाहर भी एक महिला सहित दो लोगों को इसी तरह की हरकत करते और नारे लगाते पकड़ा गया। इस समूचे मामले में छह लोगों को शामिल बताया गया है। संसद में हुई इस घटना को महज इसलिए कम करके नहीं आंका जा सकता कि उसमें कोई बड़ी अनहोनी नहीं हुई और चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। दरअसल, यह संसद की सुरक्षा-व्यवस्था में भारी चूक का मामला है और इस मसले पर गंभीर चिंता होनी चाहिए। संसद में जनप्रतिनिधियों के बैठने की जगह पर पहुंचे आरोपियों ने एक तरह से सीमित हमले को अंजाम दिया। कल्पना की जा सकती है कि अगर उनके पास कोई और घातक वस्तु होती तो क्या हो सकता था! सामान्य दिनों में भी संसद परिसर में प्रवेश को लेकर कई सख्त पैमाने तय हैं। संसद का अपना एक मजबूत सुरक्षा तंत्र है और भीतर जाने वाले हर बाहरी व्यक्ति को सांसद या अधिकृत अफसर की सिफारिश से पास बनवाना पड़ता है और उनके सभी सामान की बेहद बारीकी से जांच की जाती है। नई संसद को खासतौर पर पूरी तरह आधुनिक और डिजिटल तकनीकों से लैस किया गया है और आंतरिक व्यवस्था को मजबूत किया गया है। मगर इतने व्यापक इंतजाम के बावजूद अगर कुछ लोग सदन में जाकर मनमर्जी करने में कामयाब हो जाते हैं तो इसकी जिम्मेदारी तय करने की जरूरत है कि सुरक्षा व्यवस्था में किस स्तर पर चूक हुई। विडंबना यह है कि यह घटना ठीक उसी तारीख को हुई, जिस दिन बाईस वर्ष पहले १३ दिसंबर, २००१ को कुछ आतंकवादियों ने पुराने संसद भवन पर हमला किया था, जिसमें कुल चौदह लोगों की जान चली गई थी। वह घटना इतिहास में दर्ज है और तब भी संसद की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई गई थी। उस तरह की किसी भी घटना का सबसे बड़ा और प्राथमिक सबक यह होना चाहिए था कि कम से कम उसके बाद हर स्तर पर ऐसी तमाम व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में उस तरह का दूसरा मामला किसी भी हाल में संभव न हो सके। जब नई संसद बनी तब इसके बारे में यह भी दावा किया गया कि यह सुरक्षा व्यवस्था की कई दीवारों से लैस है और इसमें कोई आपराधिक वारदात संभव नहीं है। मगर दो लोगों ने बाकायदा लोकसभा में जाकर इस दावे को एक तरह से आईना दिखाया है। जरूरत इस बात की है कि कम से कम अब मौजूदा सुरक्षा तंत्र की व्यापक समीक्षा हो और उसे सौ फीसद अभेद्य बनाया जाए।

एनओसी के नाम पर जमीन धारकों से की जा रही वसूली

जेकेएस संवाददाता

भायंदर, इस्टेट इन्वेस्टमेंट नामक निजी कंपनी द्वारा 'एनओसी' के नाम पर जमीन धारकों से की जा रही वसूली का मुद्दा पुन: एक बार विधानसभा के शीतकालीन सत्र में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से विधायक प्रताप सरनाईक ने जोर-शोर से उठाया. साथ ही इस पर ठोस निर्णय लेने की मांग की. इस मुद्दे पर पहले भी विधानसभा में कई जनप्रतिनिधियों ने समय-समय पर आवाज उठाई थी, लेकिन इसका कोई हल अभी तक नहीं निकला है. क्या अब मीरा-भायंदर वासियों को इस 'ब्रिटिश कालीन' लगान से मुक्ति मिल जाएगी ? इस पर सभी की निगाहें टिकी हुई है. हालांकि प्रस्ताव पर विस्तृत चर्चा के दौरान इस मुद्दे पर राज्य सरकार के सकारात्मक निर्णय लेने और कानूनी कार्यवाही करने का आश्वासन राजस्व मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटील ने विधायक सरनाईक को दी है. बता दें कि मीरा भायंदर महानगरपालिका सीमान्तर्गत घोडबंदर, गोडदेव, नवघर, मोरे, खारी, भायंदर, पेणकरपाडा, महाजनवाडी के करीब ९ हजार एकड.क्षेत्रफल की जमीनों को समुद्र के खारे पानी से बचाने के लिए ब्रिटिश

सरकार ने सन १८७१ में एक बांध बनाकर दिया था. बांध बनाने के ऐवज में ब्रिटिश सरकार ने यहां के किसानों से लगान के तौर पर अनाज लेना शुरू किया और ९९९ वर्षों के लिए रामचंद्र लक्ष्मण नामक किसान को इस बांध की जिम्मेदारी के लिए नियुक्त किया था. वर्ष १९४५ में ब्रिटिश सरकार ने द इस्टेट इनवेस्टमेंट कंपनी को इसका देखभाल करने वाला (केयर टेकर) बना दिया। लेकिन कुछ वर्षों बाद ब्रिटिश सरकार ने अनाज के बदले किसानों की ९ हजार एकड.जमीन को अपनी ही कंपनी 'द इस्टेट इन्वेस्टमेंट कंपनी' के नाम उनके जमीन के ७/१२ में चढा दिया. आरोप है कि वर्ष २००८ में कांग्रेस सरकार के तत्कालीन राजस्व मंत्री नारायण राणे के निर्देश पर ठाणे जिलाधिकारी एस. एस. झेंडे ने किसानों की १ हजार एकड.ज़मीन पर 'द इस्टेट इन्वेस्टमेंट कंपनी' का नाम स्थायी मालिक में चढा दिया. अब 'द इस्टेट इनवेस्टमेंट कंपनी' इस जमीन की पूरी मालिक हो गई. इसी दौरान वर्ष २०१५ में कोकण विभागीय आयुक्त ने एक पत्र जारी कर २००८ के आदेश को स्थगित कर दिया, जिसके खिलाफ कंपनी ने उच्च न्यायालय में अपील की. न्यायालय ने कोकण आयुक्त के आदेश के दो मुद्दों पर स्थगन आदेश दे दी. नतीजतन उक्त जमीनों पर किसी भी निर्माण कार्य के लिए इस कंपनी का 'एनओसी' लेना जरूरी हो गया. इसका फायदा द स्टेट इनवेस्टमेंट कंपनी ने पूरी तरह से उठाया और यहां के किसानों से प्रति वर्गफुट के हिसाब से जमकर वसूली शुरू कर दी, जो आज तक चल रही है

कई अभाव और समस्याओं से घिरा है अस्पताल

जेकेएस संवाददाता

भायंदर: मीरा-भायंदर महानगरपालिका क्षेत्र अंतर्गत करीब १५ लाख की जनसंख्या के लिए उपलब्ध एकमात्र सरकारी भारत रत्न पंडित भीमसेन जोशी 'टेंबा अस्पताल' अपनी बदहाली और दुर्व्यवस्था के लिए सदैव चर्चित रहता है. नागपुर में चल रहे शीतकालीन अधिवेशन में विधायक प्रताप सरनाईक ने अस्पताल की बदहाली का मुद्दा उठाकर सबका ध्यान इस पर आकर्षित करने का प्रयास किया. इस पर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री तानाजी सावंत ने अधिवेशन समाप्त होने के बाद इस अस्पताल का दौरा कर अस्पताल की कमियों को पूरा करने का आश्वासन दिया, ऐसी जानकारी विधायक सरनाईक ने दी है. कई अभाव और समस्याओं से घिरा है अस्पताल : बता दें कि वर्ष २०१६ में मीरा भायंदर महानगरपालिका द्वारा भायंदर पश्चिम में पंडित भीमसेन जोशी अस्पताल की इमारत का निर्माण कर नागरिकों के लिए २०० बेड की क्षमता का अस्पताल शुरू किया गया था. आर्थिक दृष्टि से इस अस्पताल के संचालन में मनपा सक्षम नहीं थी, इसलिए वर्ष २०१८ में इस अस्पताल को संचालित करने के लिए राज्य सरकार को सौंप दिया गया. वर्तमान में राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग द्वारा यह अस्पताल संचालित किया जा रहा है, लेकिन राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग की उदासीनता के कारण यह अस्पताल आज भी कई अभावों और समस्याओं से घिरा हुआ है. राज्य सरकार द्वारा चिकित्सा कर्मचारियों की भर्ती के अलावा स्वीकृत ४४ सफाई कर्मचारियों के पदों को अभी तक नहीं भरा गया है. मीरा भायंदर मनपा प्रशासन ने ४४ सफाई कर्मचारियों के प्रबंधन की सुविधा इस अस्पताल को दी थी, इस सुविधा को अक्टूबर २०२२ में मनपा ने बंद कर दिया. ५५ नर्स और करीब १० सफाई कर्मचारी कार्यरत वर्तमान में इस अस्पताल में ठेका पद्धति से कुल ५५ नर्स और करीब १० सफाई कर्मचारी कार्यरत हैं, जिन्हें कई-कई महीनों तक वेतन का भुगतान नहीं किया जाता है. ठेका पद्धति पर कार्य कर रहे इन कर्मचारियों के संविदा की अवधि भी दिसंबर २०२३ में समाप्त होने वाली है. अपर्याप्त कर्मचारियों की भर्ती, डॉक्टर नर्स की कमी, आधुनिक स्वास्थ्य जांच उपकरणों की कमी आदि के कारण मरीजों को काफी असुविधा का सामना करना पडता है. शवागार में शव पेटी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण कई बार शवों को खुले में रखे जाने के मामले भी सामने आए हैं. अच्छी सुविधा उपलब्ध कराए जाने की मांग टेंबा अस्पताल में न सिर्फ मीरा भायंदर बल्कि वसई-विरार से भी मरीज अपना उपचार कराने आते हैं, इसलिए इस अस्पताल को उत्तम दर्जे की सभी स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जाए, इसके लिए राज्य का स्वास्थ्य विभाग और स्वास्थ्य मंत्री खुद ध्यान दें, विशेषज्ञ डॉक्टर, नर्स, कर्मचारियों के रिक्त पद भरे जाएं, ऐसी मांग विधायक सरनाईक ने की है

धीरज साहू को लेकर बीजेपी महिला मोर्चा का हल्लाबोल

जेकेएस संवाददाता

भायदर : कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य धीरज साहू के ठिकानों से आयकर को ३५१ करोड.से ज्यादा की राशि मिलने पर भाजपा को कांग्रेस पर हमला करने का मौका मिल गया है। मीरा भायंदर भाजपा महिला मोर्चे की जिलाध्यक्ष अनिता पाटिल के नेतृत्व में इस मुद्दे पर विरोध प्रकट कार्यक्रम किया, धीरज साहू के पुतले पर चप्पले मारी, बाद में महिला मोर्चा की महिलाओं ने उसका पुतला फूकने का प्रयास किया लेकिन पुलिस को हस्तक्षेप करना पडा। इस अवसर पर पूर्व महापौर डिंपल मेहता, पूर्व उप महापोर हसमुख गहलोत, प्रदेश प्रवक्ता शैलेश पांडे, सीमा शाह, मीना कांगने, हेतल परमार, राखी शेंद्रे, फाल्गुनी जोगी, नंदा जानी, संजय थरथरे, सुनील केसरी, मधुसूदन पुरोहित, गोल्डन नेस्ट मंडल अध्यक्ष संजय वोरा, ज्ञानेंद्र सिंह, सहित अनेक पूर्व नगरसेवक नगरसेविकाए तथा भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

चोरी के आरोप में मां-बेटा गिरफ्तार

जेकेएस संवाददाता

भायंदर । काशीमीरा पुलिस ने चोरी के आरोप में मां और उसके दो बेटों को गिरफ्तार किया है। इनकी गिरफ्तारी एक बंद घर से हुई आठ लाख रुपए की चोरी के मामले में की गई है। आरोपियों के नाम शमीम मोहम्मद हारून शाह,सलीम तथा सैदूनिशा है। आरोपी काशीमीरा के मुंशी कंपाउंड के रहने वाले हैं।प्लेजेंट पार्क निवासी वैभव आव्हाड ८ दिसंबर कि शाम परिवार सहित गोराई घूमने गए थे।रात ८ बजे वापस लौटे तो घर के दरवाजे की कुंडी टूटी हुई और कपाट से आठ लाख छह हजार रुपए कीमत के सोने और चांदी के गहने गायब थे।वारदात की तफ्तीश के क्रम में पुलिस ने इमारत के आसपास में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू किया ।एक कैमरे के फुटेज में एक संदिग्ध व्यक्ति बिल्डिंग में आता जाता दिखाई दिया।बाद में उसकी पहचान शमीम के तौर पर हुई।एपीआई योगेश काले ने बताया कि चोरी शमीम ने की थी।लेकिन चोरी का माल उसके मां और भाई घर में छुपा के रखे थे। शमीम आदतन अपराधी है।उसके ऊपर चोरी के तीन मामले दर्ज हैं। मां इमिटेशन ज्वेलरी तथा भाई काशी गांव में मछली बेचने का काम करता है।

हम सभी को परिवर्तन के प्रवास के लिए अपनी भुमिका निर्धारित करने का समय आ गया

मीरारोड, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विगत सप्ताह में विकसित भारत २०४७ युवकों की आवाज इस थीम पर देश को संबोधित किया था. इसके लिए २०४७ तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने हेतु विद्यार्थियों को नया संकल्प लेना चाहिए, ऐसा आवाहन महामहिम राज्यपाल रमेश बैस ने एन एल डालमिया इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च मीरारोड द्वारा आयोजित पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट बैच के दीक्षांत समारोह में किया. इस दीक्षांत समारोह में विधायक गीता भरत जैन, जिलाधिकारी अशोक शिंगारे, एन एल डालमिया एजुकेशन सोसाइटी के संस्थापक निरंजन लाल डालमिया अध्यक्ष शिवकुमार डालमिया सचिव शैलेश डालमिया, उपाध्यक्ष मुदित डालमिया, सीईओ सीमा सैनी, डॉ. खान, डीन और विभाग प्रमुख आदि उपस्थित थे. विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए राज्यपाल बैस ने कहा कि आपके जीवन के इस खास दिन आप लोगों के साथ उपस्थित रहकर बहुत खुशी हो रही है. आज मैनेजमेंट के सभी पदवीधर विद्यार्थियों का मैं अभिनंदन करता हूं. इस वर्ष ग्रेजुएट हुए सभी विद्यार्थी २०४७ में उनके व्यावसायिक करियर के शिखर पर रहेंगे. नियति ने विद्यार्थियों को भारत का विकासशील राष्ट्र से विकसित राष्ट्र में बदलने और उसमें अपना योगदान देने की अद्भुत अवसर दी है. विश्व के अनेक देश विभिन्न काल में विकसित राष्ट्र बनने के लिए बडी उडान भरी है. हिरोशिमा नागासाकी बम विस्फोट के बाद जापान राख से उठकर उत्पादन के क्षेत्र में अग्रगण्य देश बना, दक्षिण कोरिया, चीन, सिंगापुर मलेशिया और अन्य देश भी परिवर्तन के लिए उडान भरी है. जिससे उनके विकास के इतिहास का मार्ग बदला है. आज हम सभी

को भी परिवर्तन के प्रवास के लिए अपनी भूमिका निर्धारित करने का समय आ गया है. चंद्रयान मिशन, सोलर मिशन, और एशियाई खेल आदि अन्य क्रीडा स्पर्धा में भारत को मिले यश से सभी भारतीयों का आत्मविश्वास बढा है, और उनके अंदर हम कर सकते हैं ऐसी भावना निर्माण हुई है. आप स्वीकैनर की ज्योत अपने हृदय में रखें और संपत्ति के निर्माता और स्टार्टअप्स के प्रवर्तक बने ऐसी इच्छा राज्यपाल ने व्यक्त की. उन्होंने कहा कि मैं आप सबको सफल उद्योजक, नव अन्वेषक में से और जोखिम उठाने वाले बनने का आवाहन करता हूं. अमेजॉन, फ्लिपकार्ट और स्विग्गी ने इन्हीं संकल्पना को प्रत्यक्ष में किया है. भारत में भी खुद के जैफ बेजॉस, जैक मा, मार्क जुकरबर की निर्मिती करने का समय आ गया है. किसे पता आप में से ही किसी के अंदर मार्क जुकरवर छुपा हो जो बाहर आने का इंतजार कर रहा हो. भारत आज महानता के शिखर पर है. इस अवसर पर विद्या शाखा सदस्य और कर्मचारी, अंडरग्रेजुएट विद्यार्थी, सभी टॉपर्स ऑनलाइन और ऑफलाइन बडी संख्या में उपस्थित थे. कार्यक्रम के शुरुआत में महामहिम राज्यपाल रमेश बैस को गार्ड ऑफ ऑनर किया गया.

आरपीएफ जवान ने सीपीआर देकर बचाई रेल यात्री की जान।

मुंबई। कुर्ला लोकमान्य तिलक टर्मिनस पर शुक्रवार १६ दिसंबर को ट्रेन नंबर ११०६१ पवन एक्सप्रेस के प्लेटफार्म नंबर ४ पर अनारक्षित डिब्बे में यात्रा करने वाला एक यात्री अचानक डिब्बे के अंदर बेहोशी हालत में गिर गया। इस दौरान ड्यूटी पार तैनात आरपीएफ जवान रामदास घुगे ने समय पर पहुंचकर यात्री को सीपीआर दिया। सीपीआर देने के बाद यात्री होश में आ गया। आरपीएफ जवान ने यात्री को अस्पताल जाने के लिऐ बोला तो यात्री स्वेच्छा से आरपीएफ जवान को अस्पताल जाने के लिए मना कर दिया और आगे की यात्रा जारी रखने के लिए बोला है। यात्री तथा उसके परिवार और साथ के लोगों ने आरपीएफ के वरिष्ट मंडल सुरक्षा आयुक्त ऋषि कुमार शुक्ला व सहायक सुरक्षा आयुक्त रंजित कुमार तथा आरपीएफ इंस्पेक्टर एलटीटी कुंज बिहारी सिंह और सभी आरपीएफ जवानों को धन्यवाद दिया है। आरपीएफ जवान घुगे की सतर्कता पर यात्रियों द्वारा भूरी भूरी प्रशंसा की जा रही है।

विकास के नाम पर पेडों की कटाई

भायंदर। मीरा भायंदर महानगरपालिका ने विविध विकास योजनाओं में बाधक बन रहे २३१ हरे-भरे पेडों को जड.से उखाडने की तैयारी शुरू की है। इनमें से तकरीबन १३४ पेड.पुनररोपति करने की बात कही गई है।हालांकि पेड.कहां लगाए जाएंगे ?उस जगह का जिक्र सार्वजनिक नोटिस में नहीं की गई है। इससे पहले मीरा रोड,रामदेव पार्क में स्विमिंग पूल बनाने के लिए ३२६७ हरे पेडों को जड.से उखाडने की तैयारी मनपा ने की थी। पेड.२ साल पहले ही शहरी जंगल अभियान के तहत लगाए गए थे।हालांकि भारी जन विरोध के चलते मनपा को यह फैसला रद्द करना पडा था।अब एक बार फिर २३१ हरे पेडों को जड.से उखाडने की तैयारी शुरू हुई है।इनमें १५४ पेड.अ-यप्पा मंदिर,४० पेड.आला हजरत मैदान(पायडे होटल के पीछे),२७ पेड. रानी लक्ष्मीबाई उद्यान,पूनम सागर (मीरा रोड), तीन पेड.सृष्ठि तथा ७ पेड.चिंचवा देवी तालाब(घोडबंदर)परिसर से उखाडे.जायेंगे।१ से २५ साल पुराने ये पेड.विविध भारतीय व विदेशी प्रजाति के और जंगली हैं।इनकी लंबाई १० से ४० फीट है।पेडों को हटाकर पीने के पानी की ऊंची टंकी,सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट(एसटीपी) गटर तथा उद्यान के सौंदर्यकरण का काम किया जाएगा।

राहुल एजुकेशन के चैयरमैन लल्लन तिवारी की भाभी का निधन

भायंदर। देश के प्रतिष्टित शिक्षण संस्थान राहुल एजुकेशन के चैयरमैन पंडित लल्लन तिवारी की भाभी श्रीमती शैल कुमारी का आज ८५ वर्ष की उम्र में वाराणसी में निधन हो गया। वह काफी मृदुभाषी और धार्मिक महिला थी। उनके निधन से पूरे परिवार के साथ-साथ रिश्तेदारों और करीबी लोगों में शोक की लहर दौड.गई। उनके निधन की सूचना मिलते ही पंडित लल्लन तिवारी, राहुल तिवारी तथा उनके परिवार से जुडे.तमाम लोग बनारस पहुंच गए। श्रीमती शैल कुमारी के पति स्वर्गीय एड मंगला प्रसाद तिवारी जाने-माने वकील रहे।

कुत्तो का बिना नसबंदी के कान काट देते है

जेकेएस संवाददाता

भायंदर । मीरा भायंदर महानगरपालिका के प्राणी जन्म दर नियंत्रण कार्यक्रम पर भाजपा ने बडा सवाल खडा किया है।आरोप लगाया है कि नसबंदी के बावजूद कुतिया पिल्लों को जन्म दे रहीं हैं।जिससे शहर में आवारा कुत्तों की संख्या बढती जा रही है। उत्तन में मनपा का प्राणी नसबंदी केंद्र २० वर्षों से चल रहा है।यहां आवारा कुत्तों की नसबंदी की जाती है।इस पर अब तक प्रतिवर्ष पहले २० लाख रुपया और अब ४० लाख रुपया खर्च किया जाता है।इस तरह पिछले १९ सालों में पौने पांच करोड. रुपया खर्च हो चुका।जबकि कुल ४७,२७,९६२ आवारा कुत्तों की नसबंदी की गई।बावजूद इसके आवारा कुत्तों की संख्या घटने के बजाय बढती ही जा रही है।शहर में आवारा कुत्तों का आंकडा मनपा के पास भी उपलब्ध नहीं है।कारण वह पशु गणना कराती ही नही है। भाजपा के मीरा भायंदर विधानसभा चुनाव प्रमुख एड . रवि व्यास ने कहा कि नियमों के अनुसार नसबंदी के बाद कुत्तों का कान काट दिया जाता है।आरोप लगाया कि मनपा कर्मचारी बिना नसबंदी के ही कान काट कर कुत्तों को छोड.देते हैं।और प्रत्यक्ष में रजिस्टर पर नसबंदी दिखा देते हैं।ऐसे कुत्ते बाद में बच्चा पैदा करते हैं। व्यास ने ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग आयुक्त से पत्र लिखकर की है। प्राणी प्रेमी नरेंद्र गुप्ता बताते हैं कि भायंदर पूर्व के आरएनपी पार्क में अनीता नाम की महिला कुत्तों को रोजाना खाना देती हैं। करीब ४ महीना पहले उन्होंने मुझे फोन करके जानकारी कि कान कटी कुतिया ने पिल्ले दिए हैं।जबकि उसकी नसबंदी हो चुकी थी।इसी तरह की एक और शिकायत हनुमान नगर से भी हमें प्राप्त हुई थी।इसका मतलब कुछ कुत्तों का बिना नसबंदी किए ही कान काट दिया जाता है। इस संबंध में मीरा भायंदर मनपा के पशु वैद्यकीय अधिकारी डॉ .विक्रम निराटले ने कहा कि सिर्फ उन्हीं कुत्तों का कान काटा जाता है,जिनकी नसबंदी हो जाती है।शहर में दो-तीन निजी नसबंदी केंद्र भी चल रहे हैं।उनके यहां से ऐसी लापरवाही हो सकती है।हालांकि निजी केंद्र नसबंदी के बाद कुत्तों के कान नही काटते हैं। व्यास ने कहा कि मीरा भायंदर में बीमार व जख्मी कुत्तों को उपचार के लिए परेल(मुंबई) स्थित प्राणी अस्पताल ले जाना पडता है। मीरा भायंदर मनपा की जो प्राणी वाहन है,वह सिर्फ शहर की सरहद तक ही पहुंचाती है।ऐसे में प्राणी प्रेमियों मोटा खर्च कर निजी एंबुलेंस की सेवा लेनी पडती है।ऐसा होने में देरी के कारण कई प्राणियों की मौत भी हो जाती है। व्यास ने कहा कि शहर में प्राणियों का श्मशान नहीं है।

यात्रियों को चलने के लिए नहीं बचा है फुटपाथ

मुंबई : पश्चिम रेलवे का बोरिवली स्टेशन एक महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन है। बोरिवली-पश्चिम रेलवे का सेंटर पॉइंट माना जाता है, जहां से गुजरात और राजस्थान सहित अन्य जगहों के लिए बड़ी संख्या में गाड़ियां जाती हैं। इसके अलावा लोकल ट्रेन में प्रतिदिन कम से कम १० लाख यात्री बोरिवली रेलवे स्टेशन से सफर करते हैं। बोरिवली (प.) में स्वामी विवेकानंद रोड है। इस रोड पर स्थित मोक्ष प्लाजा शॉपिंग सेंटर के सामने से लेकर बोरिवली के बीएमसी मार्वेट तक हजारों की संख्या में अवैध रूप से दुकानें फुटपाथ पर लगाई जाती हैं। दुकानदार पूरे फुटपाथ पर कब्जा करने के बाद आधी सड़क पर भी स्टॉल लगाकर धंधा कर रहे हैं। हैरत की बात यह है कि इससे कुछ ही मिनट की दूरी पर बोरिवली पुलिस स्टेशन और बोरिवली मनपा का कार्यालय भी है। पश्चिम रेलवे से हजारों की संख्या में यात्रा करनेवाले रेल यात्रियों को स्टेशन पर जाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। भीड़ का फायदा उठाकर कई मनचले महिलाओं से छेड़छाड़ की घटनाओं को अंजाम देते हैं तथा चोरी की घटनाओं में भी बाढ़ आ गई है। कुछ फेरीवालों का दावा है कि वह मुंबई महानगरपालिका से लेकर पुलिस स्टेशन तक को हफ्ता देकर धंधा लगा रहे हैं इसलिए उनके धंधे पर कार्रवाई नहीं हो सकती है। बोरिवली-पश्चिम में अवैध रूप से दुकान लगाने पर पिछले वर्ष मुंबई हाई कोर्ट ने रोक भी लगाई थी। उसके बाद भी हाई कोर्ट के आदेशों का पालन नहीं किया जा रहा है। अत: प्रशासन से निवेदन है कि इस पर तत्काल कार्रवाई की जाए।

Pramod Dubey
Govt. Auth.
Stamp Vendor
9869152957
8355987974
ANKUR STAMP VENDOR
Purchase, Sale of:
Flats, Shop & L.L. Basis
☆ Stamp Paper
☆ Revenue Stamp
☆ Court Fee Stamp
☆ Affidavit & Notary
☆ Online L. L. & Sale greement
☆ Society Documents
Office : Shop No. 06, Adeshwar Krupa, Opp. Bank of India, Shanti Park, Mira Road (E), Dist. Thane - 401 107.
E - mail : p.dubey989@gmail.com

मिरा भाईंदर की डॉली गुप्ता को मिला कांस्य पदक

भायंदर । १२ दिसंबर को ब्रम्हपुरी,चंद्रपूर में हुई राज्यस्तरीय सब ज्युनिअर कुस्ती स्पर्धा में शहर की महिला पहलवान कुमारी डॉली गुप्ता ने ५३ किलो वर्ग में कांस्य पदक विजेता रहीं।डाली मीरा भायंदर महानगर पालिका की तरफ से हिस्सा लींथी।वह श्री गणेश आखाडा की पहलवान और अवर लेडी ऑफ वेलंकनी कॉलेज की छात्रा हैं।कुमारी मनीषा शेलार ५० किलो वर्ग में तथा पैलवान कुमारी कोमल पटेल ४६ किलो वर्ग में मुकाबला की। अखाडे के उस्ताद वसंतराव पाटील,एनआईएस कुस्ती प्रशिक्षक वैभव माने व कोमल देसाई का मार्गदर्शन रहा।

भायंदर । १२ दिसंबर को ब्रम्हपुरी,चंद्रपूर में हुई राज्यस्तरीय सब ज्युनिअर कुस्ती स्पर्धा में शहर की महिला पहलवान कुमारी डॉली गुप्ता ने ५३ किलो वर्ग में कांस्य पदक विजेता रहीं।डाली मीरा भायंदर महानगर पालिका की तरफ से

महिला सशक्तिकरण के संबंध में बैठक का आयोजन

ठाणे : सभी तंत्रों से अपेक्षा की जाती है कि वे एक साथ आकर महिलाओं की समस्याओं और बाधाओं पर मंथन करें और महिला सशक्तिकरण से संबंधित समस्याओं को दूर करें। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को यह भी सुझाव दिया कि वन स्टॉप सेंटर को जनसंख्या और उसके लिए धन की मांग के अनुपात में लागू किया जाना चाहिए। इस अवसर पर विभिन्न सरकारी विभागों ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से राष्ट्रपति को महिला सशक्तिकरण के संबंध में अपने विभागों द्वारा किये गये कार्यों की जानकारी दी। बैठक से पहले राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती रेखा शर्मा का राजकीय विश्राम गृह में जिला कलक्टर अशोक शिंगारे ने फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया। इस अवसर पर संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने अपने संगठन की महिलाओं के माध्यम से महिला विकास के लिए विकास के क्षेत्र में किये गये उल्लेखनीय कार्यों का प्रस्तुतिकरण राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती रेखा शर्मा को दिया गया। बैठक के दौरान जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी महेंद्र गायकवाड, जिला परिषद के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (महिला एवं बाल विकास) संजय बागुल, तहसीलदार युवराज बांगड. आदि भी उपस्थित थे ।श्रीमती शर्मा का स्वागत किया। संपूर्ण कार्यक्रम की योजना जिला महिला बाल विकास अधिकारी श्री महेंद्र गायकवाड द्वारा बनाई गई।

सांसद डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे ने की जगदीप धनखडज़ी से मुलाकात

ठाणे : उपराष्ट्रपति श्री सतीचा ने दिल्ली में जगदीप धनखडज़ी से मुलाकात की. इतने ऊंचे पद पर रहने के बावजूद उनकी विनम्रता और देखभाल करने वाला

रवैया निश्चित रूप से मेरे जैसे सभी युवाओं के लिए एक आदर्श है। उपराष्ट्रपति के रवैये की तरह उनकी पूरी जीवन यात्रा प्रेरणादायक है। राजस्थान के एक छोटे से गांव में जन्मे, एक सैन्य स्कूल में शिक्षा प्राप्त की, १२वीं के बाद भौतिकी में स्नातक किया और फिर कानून की पढाई की, उनकी यात्रा असाधारण है। अपनी बुद्धि के बल पर उन्होंने आईआईटी से ग्रेजुएशन के बाद देश की सबसे बडी सिविल सेवा परीक्षा भी पास की। लेकिन उन्होंने वकालत की शुरुआत राजस्थान हाई कोर्ट से की और कम उम्र में ही सुप्रीम कोर्ट में वकील के तौर पर काम किया। इसके बाद उन्होंने राजनीतिक क्षेत्र में पदार्पण किया और विधायक, सांसद, केंद्रीय मंत्री, पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जैसे विभिन्न पदों पर रहे। देश के सर्वोच्च पद पर पहुंचने के बाद भी विनम्रता कैसे विकसित होती है, आज उपराष्ट्रपति का दौरा आंख और शरीर के अनुभव के साथ आया। इस दौरान उपराष्ट्रपति के साथ विभिन्न सकारात्मक विषयों पर भी चर्चा हुई.

प्रभु श्री राम के आदर्शों पर चलकर ही विश्व का कल्याण: डॉ मंजू लोढा

जेकेएस संवाददाता

मुंबई। महानगर की प्रतिष्टित साहित्यिक संस्था ज्ञान गंगोत्री काव्य मंच की मासिक बैठक का आयोजन लोढा कास्टएरिया में किया गया। बैठक में करीब ५० महिलाओं ने भाग लिया। इस चार बैठक का विषय थान प्रभु श्री राम। महिलाओं ने प्रभु श्री राम के विषय में आकर्षक प्रस्तुति की। ज्ञान गंगोत्री काव्य मंच की संस्थापक अध्यक्ष डॉ मंजू मंगल प्रभात लोढा ने कहा कि भारत की संस्कृति को जानने के लिए भगवान श्री राम को जानना अति आवश्यक है। भगवान श्री राम के आदर्श विचारों और उनके जीवन से आज पूरा विश्व प्रेरणा ले रहा है। उनके आदर्शों पर चलकर के ही विश्व शांति और विश्व कल्याण संभव है। यह काव्य पंच पिछले १४ वर्षों से चल रहा है। इससे जुडी सारी महिलाएं गृहिणी हैं।

बिना अनुमति गौण खनिज ढोने वाले १७ वाहनों पर कारवाई

भायंदर : मीरा-भायंदर अपर तहसीलदार कार्यालय द्वारा १ अप्रैल से ३० नवंबर २०२३ के बीच ८ माह में अवैध रूप से बिना अनुमति के गौण खनिज ले जाने वाले १७ वाहनों पर कारवाई कर कुल ३८ लाख ७८ हजार रुपए दंड वसूल किया गया। साथ ही अवैध रूप से जमा कर रखे गए रेती को जप्त करने के बाद उसे नीलाम कर ११ लाख ७५ हजार रुपए भी वसूल किया गया। इसी तरह से खाडी से रेती निकालने के बाद उसे धोने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली २२ वाटर पंप को जप्त कर नीलामी से १ लाख १२ हजार रुपए वसूल किया गया । कारवाई के दौरान बाधा डालने और तहसीलदार कार्यालय के कर्मचारियों से दुर्व्यवहार करने वाले एक जेसीबी, और २ ट्रकों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए जाने की जानकारी अपर तहसीलदार निलेश गौड ने दी।

निधि वितरण समारोह का आयोजन संपन्न, आर्थिक विकास के साथ पर्यटन क्षेत्र में मिलेगी

बहुउद्देश्यीय पर्यटन परिसर के निर्माण के लिए मॉरीशस को ८ करोड़ रुपये की धनराशि वितरित की गई

नागपर : मॉरीशस में मूल मराठी भाई रहते हैं। मॉरीशस और महाराष्ट्र की संस्कृतियाँ एक जैसी हैं। वहां बनने वाले बहुउद्देश्यीय पर्यटन परिसर के जरिए मॉरीशस के साथ रिश्ते बढेंगे. इसके साथ ही मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस बात पर जोर दिया कि इस कॉम्प्लेक्स के जरिए महाराष्ट्र में पर्यटन को बढावा मिलेगा. मॉरीशस में बहुउद्देश्यीय पर्यटन परिसर की स्थापना के लिए आज दोपहर विधान भवन परिसर में आठ करोड.रुपये का निधि वितरण समारोह आयोजित किया गया। उस समय मुख्यमंत्री श्री. शिंदे बोल रहे थे. मॉरीशस के मंत्री एलन गानू, राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, पर्यटन मंत्री गिरीश महाजन, मृदा और जल संरक्षण मंत्री संजय राठौड, मुख्य सचिव मनोज सौनिक, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव विकास खडगे, वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ। नितिन करीर, लोक निर्माण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव मनीषा म्हैसकर, नियोजन विभाग के प्रमुख सचिव सौरभ विजय, पर्यटन विभाग की सचिव जयश्री भोज, पर्यटन विकास निगम के निदेशक डॉ. बी। एन। पाटिल, मॉरीशस के हसन गानू, उप मुख्यमंत्री श्री. फडणवीस के विशेष कर्तव्य अधिकारी कौस्तुभ धावसे और अन्य उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री शिंदे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश को दुनिया में नई पहचान मिल रही है. इसलिए देश के आर्थिक विकास के साथ-साथ पर्यटन क्षेत्र के विकास में मदद मिल रही है। मॉरीशस में बन रहे पर्यटन परिसर से वहां आने वाले पर्यटकों को महाराष्ट्र के विशाल समुद्री तटों के साथ-साथ ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक स्थलों के बारे में भी जानकारी मिलेगी। मॉरीशस को आवश्यक सहयोग दिया जाता रहेगा। इस केंद्र के माध्यम से मॉरीशस के साथ महाराष्ट्र के मैत्रीपूर्ण संबंध मजबूत होंगे और दोस्ती का एक नया अध्याय लिखा जाएगा। उपमुख्यमंत्री श्री. फडणवीस ने कहा कि मॉरीशस एक खूबसूरत देश है जो भारतीय

और मराठी संस्कृति का पोषण करता है। महाराष्ट्र की संस्कृति यहीं निहित है. मॉरीशस के दौरे के दौरान बहुउद्देश्यीय पर्यटन परिसर की अवधारणा सामने आई। इसके लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये. इस हिसाब से इस कॉम्प्लेक्स के लिए ८ करोड.रुपये का फंड दिया जा रहा है. मॉरीशस पर्यटन के लिए मशहूर देश है. यह परिसर राज्य में पर्यटन विकास को बढावा देगा। मॉरीशस के मंत्री श्री. गानू ने कहा कि मॉरीशस और महाराष्ट्र की संस्कृति एक जैसी है. हिंदू स्वराज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज हमारे प्रेरणा स्रोत हैं। मॉरीशस में मराठी मंडली महासंघ का कार्य सराहनीय एवं अनुकरणीय है। मॉरीशस में बहुउद्देश्यीय पर्यटन परिसर के माध्यम से मॉरीशस और महाराष्ट्र के बीच सांस्कृतिक, सामाजिक और कलात्मक संबंध और मजबूत होंगे। मॉरीशस में गणेशोत्सव, शिव जयंती सहित विभिन्न त्योहार बडे उत्साह से मनाए जाते हैं। मॉरीशस में बहुउद्देश्यीय पर्यटन परिसर को समय पर पूरा करने के लिए सभी प्रयास किये जायेंगे। उसके लिए आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि महाराष्ट्र से मॉरीशस आने वाले पर्यटकों को विभिन्न सुविधाएं मुहैया करायी जा रही हैं. पर्यटन विभाग की सचिव श्रीमती भोज ने परिचय में बहुउद्देश्यीय पर्यटन परिसर के बारे में जानकारी दी। पर्यटन विकास निगम के निदेशक डॉ. पाटिल ने धन्यवाद दिया. इस अवसर पर राज्य और मॉरीशस के वरिष्ट अधिकारी उपस्थित थे।

आईसीएआई और डब्लूआईआरसी का कॉपरिट और रियल एस्टेट के माध्यम से सबसे बडी अर्थव्यवस्था बनाने का प्रयास

मुंबई। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि भारत दुनिया की सबसे बडी इकोनॉमी बनें, इस सपने को पूरा करने के प्रयास में सीए की सबसे बडी संस्था आईसीएआई एवं डब्लूआईआरसी अग्रणी हैं। यह बातें आईसीएआई के प्रेसीडेंट सीए अनिकेत सुनील तलाठी ने मुंबई गोरेगांव के नेस्को सभागृह में ३७ वीं रिजनल कान्फ्रेंस में कहीं। प्रेसीडेंट अनिकेत ने कहा कि चैतन्य और वरेण्यं जैसी प्रेरणा दायक थीम से कॉपोर्रेट जगत के साथ साथ हमारा देश नई ऊंचाईयां की ओर अग्रसर होगा। इस अवसर पर रेरा जैसे महत्वपूर्ण विषय पर दूसरे संस्करण के रूप में महारेरा-प्रेक्टिस मैन्युअल २०२३-२४ नामक किताब का विमोचन किया गया। किताब के लेखक सीए रमेश प्रभु और रेरा स्टडी ग्रुप के एक्सपर्ट्स की टीम ने मिलकर लिखा है। किताब का विमोचन करते हुए डब्लूआईआरसी के चेयरमैन सीए अर्पित जगदीश काबरा ने कहा कि रियल इस्टेट में महारेरा की वजह से रियल इस्टेट इंडस्ट्री में पारदर्शिता के साथ-साथ अनुशासन भी आ रहा है, जो हमारे देश की इकोनॉमी के लिए शुभ संकेत है। आने वाले समय में हमारी संस्था देश की इकोनॉमिक ग्रोथ को बढाने के लिए पूरी तरह से प्रयासरत हैं। इस अवसर पर हजारों की तादाद में सीए मौजूद रहे।

अग्रोहा विकास ट्रस्ट १ और अन्य संस्थाओ का स्नेह सम्मेलन

जेकेएस संवाददाता

मुंबई। अग्रोहा विकास ट्रस्ट १, हरियाणा मित्र मंडल, हरियाणा नागरिक संघ के तत्वाधान में दीपावली और नववर्ष का स्नेह सम्मेलन संपन्न हुआ। विवेरिया क्लब हाउस, सात रस्ता में आयोजित कार्यक्रम में सदस्यों के मनोरंजन हेतु सुमधुर गीत संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बेस्ट डांसर और लकी ड्रॉ के विजेताओं को पुरस्कार दिए गए। सदस्यों के लिए फुट मसाज और महिलाओं के लिए नेल आर्ट का आयोजन विशेष आकर्षण रहा। जिसका सभी सदस्यों ने आनंद लिया। सदस्यों ने भोजन प्रसाद ग्रहण करते हुए शुरूआत से ही चाट, गोलगप्पा आदि विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का लुफ्त उठाया। राजेंद्र अग्रवाल, आनंद प्रकाश गुप्ता (मित्तल), किशन बिहारी कागजी, ईश्वरदास रसिवासिया, वेदप्रकाश सुगला, कैलाश अग्रवाल, संतोष बंसल, रामविलास अग्रवाल, अरुण बुबना, सुशील रोशनलाल अग्रवाल, विनोद तिलकराज अग्रवाल, शीतल अग्रवाल, चंदरप्रकाश हलवासिया, गिरीश अग्रवाल आदि ने कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।

सरकार किसानों की आत्महत्या रोकने में असफल रही - शिवसेना प्रवक्ता आनंद दुबे

जेकेएस संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में किसानों की बढती आत्महत्या पर गहरा दुख प्रकट करते हुए शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने शिंदे सरकार की कडी आलोचना करते हुए कहा है कि महाराष्ट्र में किसानों की हालत अत्यंत चिंताजनक है। शिवसेना प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा कि महाराष्ट्र में जनवरी से अक्टूबर तक २३६६ किसान आत्महत्या कर चुके हैं। प्रतिदिन सात किसान आत्महत्या कर रहे हैं। सबसे बुरी हालत छत्रपति संभाजी नगर और अमरावती विभाग की है। उन्होने कहा कि पिछले १० महीने में सिर्फ अमरावती जिले में ही जहां ९५१

किसानों ने आत्महत्या की , वहीं छत्रपति संभाजी नगर विभाग में ८७७ किसानों ने आत्महत्या की। शिंदे सरकार किसानों की आत्महत्या रोकने में पूरी तरह से विफल साबित हुई है। उन्होंने कहा कि देश के अन्नदाताओं का इतना बुरा हाल शायद ही कहीं हो। उन्होंने कहा कि यह आंकडा खुद महाराष्ट्र सरकार के आपदा मदद मंत्री अनिल पाटिल ने दिया है। आनंद दुबे ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार के मंत्री बेशर्मी से कहते हैं कि किसान के आत्महत्या करने पर हम उसे एक लाख रुपए का मुआवजा देते हैं। अब इनको कौन समझाए कि किसानों की मौत को रुपयों में नहीं आंका जा सकता है। किसानों की मेहनत के कारण ही देश समृद्ध और खुशहाल है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार पूरी तरह से किसानों और उनके हितों की विरोधी है।

विधानसभा के शीतकालीन में संपत्ति निवेश का उठा मुद्दा

भायंदर: मीरा-भायंदर की खाडी के पानी को निकटवर्ती कृषि क्षेत्र में जाने और कृषि को होने वाले नुकसान को रोकने के लिए खाडी के किनारे एक बांध बनाया। उनकी वसूली ब्रिटिश कंपनी द एस्टेट इन्वेस्टमेंट के जरिए शुरू की गई थी। भारत की आजादी के ७५ साल पूरे होने के बाद भी यह । वसूली अभी भी जारी है और सरकारी रिकॉर्ड बताते हैं कि इस कंपनी के पास शहर में ३ हजार ६८८ एकड.जमीन है. कंपनी की यह वसूली दमनकारी है और इसे रद्द करने की मांग की जा रही है. नागपुर में चल रहे अधिवेशन में प्रताप सरनाईक ने दी. गुरुवार को हुई चर्चा में राजस्व मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटील ने कहा कि यह वसूली बंद की जायेगी. सरनाईक ने कहा कि उन्होंने आश्वासन दिया है कहा राज्य सरकार ने भूमि पर डेवलपर्स के एकाधिकार को तोडने और भूमि को हाउसिंग सोसाइटियों को हस्तांतरित करने के लिए २०१२ में एक डीम्ड कन्वेयंस अभियान शुरू किया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य मूल मालिक की अनुमति के बिना एक निश्चित अवधि के बाद भूमि का स्वामित्व सीधे हाउसिंग सोसाइटियों को हस्तांतरित करना है। है लेकिन शहर की अधिकांश इमारतें ब्रिटिश एस्टेट इन्वेस्टमेंट कंपनी की साइट पर बनाई गई हैं। इनके निर्माण के समय डेवलपर्स को लाखों रुपये का भुगतान करना पडता है और कंपनी से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करना पडता है। अनापत्ति प्रमाण पत्र के बाद भी परिसर में कंपनी का नाम रहने से भवन का पुनर्विकास फिर से कंपनी के हाथ में अटक जाता है। इसके लिए हाउसिंग सोसायटियों को अनापत्ति प्रमाण पत्र के लिए कंपनी को लाखों से करोडों रुपये का भुगतान करना पडता है। इसके कारण कंपनी परिसर में हाउसिंग सोसायटियों के अधिकांश डीम्ड कन्वेयंस मामले डिप्टी रजिस्ट्रार की दमनकारी शर्तों में फंस रहे हैं। भारत की आजादी के बाद भी चूंकि मीरा-भाईंदर शहर की ३ हजार ६८८ एकड.जमीन इस ब्रिटिश कंपनी के नाम पर है, इसलिए इमारतों के डेवलपर्स ने निर्माण के समय कंपनी का अनापत्ति प्रमाण पत्र लिया है और यदि इसे जमा किया जाता है। डीम्ड कन्वेयंस के समय हाउसिंग सोसायटियों को फिर से अनापत्ति प्रमाण पत्र की आवश्यकता होती है। लेकिन यदि इसे जमा नहीं किया जा सका तो कलेक्टर कार्यालय द्वारा पुन: उस कंपनी का अनापत्ति प्रमाण पत्र अनिवार्य किया जा रहा हैं। १८७१ में, निकटवर्ती भयंदर क्रीक का पानी शहर के घोडबंदर, नवघर, मीरागांव, चेना, काशीगांव, राय, मुर्धा, मोरवा, भयंदर पश्चिम, खारीगांव, गोडदेव गांवों की कृषि भूमि में घुसपैठ कर रहा था, जिससे कृषि क्षति हो रही थी। खेती के घाटे के बावजूद अंग्रेज. किसानों से अनाज वसूल रहे थे। किसानों ने खेती के नुकसान के लिए खाद देने से इनकार कर दिया और खाडी के किनारे तटबंध बनाने की मांग की। अंग्रेजों ने इसे स्वीकार करते हुए तटबंध के निर्माण का ठेका रामचन्द्र लक्ष्मणजी को दे दिया। बदले में, किसानों से कृषि आय का एक तिहाई हिस्सा इकट्ठा करके ब्रिटिश खजाने में जमा करने का निर्णय लिया गया।

मिरा भाईंदर में मैथिल विकास प्रतिष्ठान का आयोजन संपन्न

भायंदर: बिहार मिथिलांचल के मैथिल संस्कृति, संरक्षण और संवर्धन में सतत प्रयत्नशील मैथिल विकास प्रतिष्ठान के ५ वें वार्षिक उत्सव का भव्य आयोजन १७ दिसंबर रविवार , विवाह पंचमी को सायं ५ बजे कनकिया रोड.स्थित शहनाई हॉल में किया गया है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीतामढी (बिहार) के सांसद सुनील कुमार पिंटू, ओवला -माजीवाडा (महाराष्ट्र) के विधायक प्रताप सरनाईक, एमबीवीवी पुलिस आयुक्तालय के आयुक्त आईपीएस मधुकर पांडे, पुणे के आयकर आयुक्त आईआरएस राकेश झा, पूर्व नगरसेवक विक्रम प्रताप सिंह उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सुप्रसिद्ध गायिका प्रिया मलिक, मुकुंद मिश्र, पूजा झा की टीम द्वारा मिथिला के पारंपरिक लोकगीत झिझिया, जट-जटिन, नाटक आदि की रंगा रंग प्रस्तुति रहेगी। इस अवसर पर कैलेंडर एवं पुस्तक का विमोचन, मिलन फिल्म की लॉन्चिंग तथा मिथिला पेंटिंग की प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया है, ऐसी जानकारी मैथिल विकास प्रतिष्ठान परिवार की ओर से अध्यक्ष अमोद झा और डॉ मोहन झा ने दी है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए भावेश झा, वंदना मिश्रा, पंडित गौरीकांत झा, मोद नारायण झा, रामसुंदर झा और निलेश झा, विनोद बृजनंदन मिश्र और कोर कमिटी के अन्य सदस्य जोर शोर से तैयारियों में जुटे हैं। प्रतिष्ठान ने सभी मिथिलावासियों से आग्रह किया है कि इस कार्यक्रम में उपस्थित रहकर इसकी शोभा बढाएं और सुमधुर मैथिली गीत - संगीत का आनंद उठाएं।

भक्तिवेदांत अस्पताल में बगैर सर्जरी के वाल्व रिप्लेसमेंट की शुरुआत

मीरारोड : भक्तिवेदांत अस्पताल में पहली बार बिना सर्जरी आओर्टिक वाल्व रिप्लेसमेंट की सफलता पूर्वक शुरुआत की गई है. इस अस्पताल में पहली बार बिना सर्जरी की ट्रांसकैथेटर महाधमनी वाल्व प्रत्यारोपण (टीएवीआई) एक ७३ वर्षीय महिला मरीज में किया गया. अस्पताल के डॉक्टर के अनुसार मरीज की बढती उम्र, खराब हृदय पंपिंग और पिछली बाईपास सर्जरी के कारण सर्जरी के माध्यम से महाधमनी वाल्व रिप्लेसमेंट के लिए बहुत अधिक जोखिम था, इसलिए अस्पताल की मेडिकल टीम ने पारंपरिक ओपन हार्ट सर्जरी के बजाय नई टीएवीआई प्रक्रिया (गैर सर्जिकल) को चुना, जिससे जोखिम काफी कम हो गया. टीएवीआई प्रक्रिया में एक कैथेटर के माध्यम से लक्ष्य क्षेत्र में पहुंचाए जाने वाले फोल्डेबल महाधमनी वाल्व का उपयोग किया जाता है, जिससे ओपन हार्ट सर्जरी की आवश्यकता नहीं होती है. इस प्रक्रिया से वाल्व रिप्लेसमेंट में अस्पताल में भर्ती होने की अवधि भी १० दिनों के बजाय २-३ दिनों की हो जाती है, और गंभीर जटिलताओं का खतरा कम होता है. बिना सर्जरी वाल्व रिप्लेसमेंट के दौरान डॉ. हरमिंदर सिंह ने प्रक्रिया का नेतृत्व किया, डॉ. हरेश मेहता ने इसे निर्देशित किया और डॉ. संदीप पाटिल द्वारा सहायता प्रदान की गई. डॉ. सिंह ने बताया कि इस प्रक्रिया के दौरान टांके रहित ऑपरेशन के बाद न्यूनतम देखभाल और दवा की कम आवश्यकता पडती है, जिससे रोगी के शीघ्र स्वस्थ होने और जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि होती है. अस्पताल के कार्डियोलॉजी एचओडी डॉ. संदीप पाटिल ने भविष्य में और अधिक टीएवीआई प्रक्रियाएं करने की बात कही है, क्योंकि स्वास्थ्य देखभाल में सकारात्मक योगदान देने की दृष्टि से ऐसे नवीन अनुसंधान केंद्र के रूप में काम करने की उम्मीद है.

रिक्शे की आड में यात्रियों को बनाते थे ठगी के शिकार

जेकेएस संवाददाता

भायंदर।काशीमीरा पुलिस ने यात्रियों को लूटने वाले तीन रिक्शाचालकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम प्रदीप दिलीप सवादकर, अरशद बासीद खान तथा जियाउल्ला उर्फ सोनू खान है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से लूट में प्रयुक्त रिक्शा तथा मोटरसाइकिल बरामद किया है। पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार अहमदाबाद निवासी जिग्नेश आनंद भाई गोस्वामी ९ दिसंबर को मीरा रोड स्थित सरोज लॉज में ठहरे हुए थे। शाम को वे अपने एक मित्र के साथ समुद्रा बार एंड रेस्टोरेंट में गए थे। वहां से देर रात लौटते समय उन्होंने सरोजा लॉज जाने के लिए रिक्शा किया। अभी वे रिक्शा से कुछ दूर ही गए थे कि पीछे से बाइक पर बैठे दो अज्ञात युवकों ने सामने से आकर रिक्शा रोक दिया। दोनों ने जिग्नेश को यह कहते हुए कि तुमने रिक्शा में ड्रग्स रखा है, उसके शरीर में पहने हुए १,७५००० रुपए मूल्य के जेवरात छीनकर भाग गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए काशीमीरा पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए तीनों रिक्शाचालकों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को मिली यह कामयाबी परिमंडल क्रमांक १ के पुलिस उपायुक्त जयंत बजबले और सहायक पुलिस आयुक्त महेश तरडे के मार्गदर्शन में काशीमीरा पुलिस स्टेशन के वरिष्ट पुलिस निरीक्षक संदीप कदम के निर्देशन में पुलिस निरीक्षक समीर शेख, सहायक पुलिस निरीक्षक योगेश काले, पुलिस उप निरीक्षक शिवाजी खाडे,अनिल पवार ,दीपक वारे तथा अन्य पुलिसकर्मियों की सक्रियता के चलते मिली।

३७० हटाने पर भाजपा ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का किया स्वागत

जेकेएस संवाददाता

भाईंदर : सुप्रीम कोर्ट से सोमवार को मोदी सरकार को बडी राहत मिली है सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद ३७० हटाने के फैसले को बरकरार रखा है, सीजेआई डी चंद्रचूड.ने कहा जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है इसकी कोई आंतरिक संप्रभुता नहीं है, अनुच्छेद ३७० एक अस्थायी प्रावधान था, फैसले से जाहिर है की सबसे अधिक राहत भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को होने वाला है ,५ अगस्त २०१९ को मोदी सरकार ने जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद ३७० के प्रभाव को खत्म कर दिया था राज्य को जम्मू कश्मीर और लद्दाख में बांट दिया था दोनों को केंद्र शासित प्रदेश बना दिया, केंद्र के इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में २३ अर्जियां दी गई थी भारत की प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस भी केंद्र के इस फैसले पर साथ नहीं थी अनुच्छेद ३७० की समाप्ति के बाद पेश जम्मू और कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक २०२३ और जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक को भी नैतिक बल मिल गया है कहां जा रहा है

कि इन विधेयकों के लागू होने के बाद कश्मीर में बीजेपी सरकार के लिए आधार तैयार हो रहा है' राजनीतिक हलकों में इस बात की चर्चा है कि लोकसभा चुनाव से ठीक पहले जम्मू कश्मीर पुनर्गठन विधेयक पारित करवाकर केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर में भाजपा को भाजपा को मजबूत करने का काम कर रही है पूर्व विधायक नरेंद्र मेहता ने कहा कि हम सच्चे अर्थों में उच्चतम न्यायालय के फैसले का सम्मान और आदर करते हैं। हमें अपने देश, संविधान और अपनी न्यायपालिका पर गर्व है जो दुनिया में सर्वश्रेष्ट में से एक है।' उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि वह विधानसभा चुनाव कराने के लिए तैयार है, लेकिन निर्णय चुनाव आयोग को लेना है, जबकि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री जम्मू-कश्मीर की राज्य का दर्जा बहाली के वादे से बंधे हैं भाजपा जिला अध्यक्ष किशोर शर्मा ने कहा कि।यह एक ऐतिहासिक निर्णय है क्योंकि इसने जम्मू-कश्मीर के पूर्ण एकीकरण पर उठाए गए सवालों पर विराम लगा दिया है। यह लडाई राजनीतिक या समुदाय-केंद्रित नहीं थी, लेकिन कश्मीर में कुछ लोग हैं जिनकी राजनीति इस (अनुच्छेद ३७०) पर चलती रही है। सभी मुद्दों पर बेबाकी से राय रखने वाले भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुनील केसरी ने कांग्रेस के ऊपर तीखा हमला करते हुए कहा कि धारा ३७० पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला कांग्रेस के मुंह पर तमाचा हैं, यह एक ऐतिहासिक फैसला है, भारत के यशस्वी एवं तेजस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने आर्टिकल ३७० हटाकर पहले ही साबित कर दिया था कि यह सिर्फ सुप्रीम कोर्ट की सहमति ही नहीं बल्कि देश की एक एक जनता की मांग थी

मीरा भाईंदर में कचरा ढोने वाली ९३ नए वाहन खरीदे गए

जेकेएस संवाददाता

भायंदर : केंद्र सरकार के स्वच्छ भारत मिशन १.० अंतर्गत प्राप्त निधि से मीरा -भायंदर मनपा ने दैनिक कचरा ढोने वाली ९३ नए वाहन खरीदे गए हैं, जिनमें से ६ कंपैक्टर और २७ टिप्पर ऐसे ३३ वाहन मनपा के घनकचरा व्यवस्थापन विभाग के स्वच्छता बेडे. में शामिल हो गए हैं. बचे हुए २६ कंपैक्टर और ३४ टिप्पर ऐसे कुल ६० नए वाहन भी शीघ्र शामिल किए जाने की जानकारी उपायुक्त रवि पवार ने दी है. इसके बाद कचरा ढोने वाली पुराने वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटा दिए जाएंगे, जिससे पुराने वाहनों से होने वाली वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी. मीरा-भायंदर शहर में प्रतिदिन करीब ५५० मैट्रिक टन सूखा और गीला कचरा जमा होता है, जिसे शहर के विभिन्न हिस्सों से वाहन द्वारा ढो कर भायंदर पश्चिम के उत्तन, धावगी स्थित घनकचरा प्रकल्प में प्रक्रिया के लिए ले जाया जाता है. इस कार्य का ठेका पहले मेसर्स ग्लोबल मैनेजमेंट प्रा.लि. कंपनी को दिया गया था. वर्तमान में इस ठेका कंपनी के साथ-साथ मेसर्स कोणार्क इंफ्रास्ट्रक्चर प्रा.लि. को भी शहर में जमा होने वाले दैनिक कचरा को प्रकल्प तक पहुंचाने का ठेका दिया गया है. ठेकेदारों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले कचरा ढोने के वाहन पुराने और अनफिट हो गए थे. इन वाहनों में कचरा भर कर प्रकल्प (डंपिंग ग्राउंड) पर ले जाते समय सडक़ों पर कचरा और कीचड. गिरते रहते थे, जिससे अन्य वाहन चालकों को भी काफी परेशानी होती थी. कई बार इस वजह से हादसे भी घटित हुए. पुराने वाहनों पर कई बार यातायात पुलिस विभाग द्वारा दंडात्मक कारवाई भी की गई थी. मनपा प्रशासन ने केंद्र सरकार से स्वच्छ भारत मिशन १.० अंतर्गत ११७ नई वाहन खरीदने के लिए निधि की मांग की थी. कई प्रयासों के बाद मनपा को ४५ करोड. रु. की निधि प्राप्त हुई थी, जिसमें से १८ करोड. रुपए की निधि से ९३ कचरा ढोने वाली गाडी खरीदने का निर्णय लिया गया था. खरीदे जाने वाले वाहनों में १४ क्यूबिक मीट्रिक टन गीला कचरा कचरा ढोने की क्षमता वाली ३२ कंपैक्टर और गीला कचरा के अलावा अन्य ५ से ८ क्यूबिक मीट्रिक टन कचरा ढोने की क्षमता वाली ६१ टिप्पर वाहनों का समावेश है.

पूर्व नगरसेवक मदन सिंह ने विद्यालय शुरु करने का उठाया मुद्दा

जेकेएस संवाददाता

मीरा-भायंदर मनपा के माध्यमिक विद्यालय (आठवीं से दसवीं तक) शुरू करने में हिंदी की उपेक्षा का आरोप भाजपा नेता ने लगाया है। उन्होंने कहा कि आमसभा में निर्णय के बाद भी हिंदी माध्यम के आठवीं से दसवीं तक का एक भी विद्यालय शुरू नहीं हुआ, जबकि यह तीसरा शैक्षणिक वर्ष है। मीरा-भायंदर मनपा की पहली से लेकर सातवीं तक के ३६ विद्यालय हैं, जिसमें से ५-५ हिंदी, उर्दू, गुजराती और २१ मराठी माध्यम के विद्यालय हैं। पाया गया कि सातवीं के बाद इन बच्चों को दूसरे विद्यालय में धनाभाव सहित विविध कारणों से प्रवेश लेने में काफी अडचन होती है। ऐसा होने कुछ बच्चों की आगे की पढाई बंद हो जाती है। ऐसा न हो, इसलिए प्रशासन और जनप्रतिनिधि मनपा विद्यालयों को उच्चतर करने का निर्णय लिया। उपायुक्त (शिक्षा) संजय शिंदे ने बताया कि मौजूदा समय में आठवीं से दसवीं तक के चार विद्यालय चल रहे हैं, जिसमें से तीन मराठी और एक उर्दू माध्यम का है। भाजपा के पूर्व नगरसेवक मदन सिंह ने बताया कि हिंदी के पांच विद्यालयों में १,६२५ बच्चे पढ.रहे हैं। माध्यमिक विद्यालय शुरू करने का जब आमसभा में निर्णय हुआ था, तब उनकी मांग पर पीठासीन अधिकारी (महापौर) ने हिंदी माध्यम से भी आठवीं से दसवीं तक के विद्यालय शुरू करने के रूलिंग दी थी। लेकिन तीन साल बाद भी ऐसा हो नहीं सका। सिंह ने कहा कि शहर की लगभग ५० से ६० फीसदी आबादी हिंदी भाषी है। ४० झोपडपट्टियां हैं और उसमें रहने वाले अधिकांश लोग हिंदी प्रदेशों के हैं। लोगों की जरूरत के देखते हुए हिंदी माध्यम के माध्यमिक विद्यालय शुरू किया जाना बहुत जरूरी है। उपायुक्त संजय शिंदे ने कहा कि माध्यमिक विद्यालय शुरू करने के लिए इमारत, पर्याप्त शिक्षक, स्टाफ की आवश्यकता होती है और यह की जाएगी। शिक्षण अधिकारी को हमने प्रस्ताव तैयार कर मंजूरी के लिए राज्य सरकार के पास भेजने का निर्देश दिया है। भारत सरकार के १५ वें वित्त आयोग की तरफ से मीरा-भायंदर को और २४ आरोग्यवर्धिनी केंद्र (स्वास्थ्य कल्याण उपकेंद्र) मंजूर हुआ है। इसी के साथ दवाखानों की संख्या ३५ हो गई है। इन्हें एक साल के भीतर शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। इन दवाखानों में दोपहर २ से रात १० बजे के बीच ओपीडी सेवा शुरू रहेगी। मनपा के उपायुक्त (स्वास्थ्य) संजय शिंदे ने बताया कि मीरा-भायंदर में प्रभाग वार दवाखाना (आरोग्यवर्धिनी केंद्र) खोले जाएंगे।

उपनिबंधक कार्यालय में शिकायतों का अंबार, फैसले के नाम पर लापरवाही

जेकेएस संवाददाता

भायंदर. मीरा-भायंदर शहर का विकास तेजी से हो रहा है. बडी-बडी गगनचुंबी इमारतों का निर्माण किया जा रहा है, जिससे इमारतों और हाउसिंग सोसायटी की संख्या में वृद्धि के साथ-साथ सोसायटी के पदाधिकारियों और सदस्यों के अंतर्गत होने वाले वाद-विवादों की संख्या में भी बढोतरी हुई है. हाउसिंग सोसायटियों के अंदरूनी विवादों के हजारों शिकायतों पर उपनिबंधक कार्यालय में फैसले प्रलंबित होने का मामला भी सामने आया है. वर्तमान में मीरा-भायंदर शहर में करीब ६ हजार हाउसिंग सोसायटी होने की जानकारी मीरा- भायंदर कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी फेडरेशन के अध्यक्ष विजय पाटील ने दी है. कई सोसायटियों के पदाधिकारियों के मनमाने कामकाज की वजह से सोसायटी के अन्य सदस्यों से उपजे विवाद के कारण ५१ हाउसिंग सोसायटियों में उपनिबंधक कार्यालय द्वारा ६ माह के लिए प्रशासक नियुक्त किए गए हैं. उपनिबंधक कार्यालय द्वारा नियुक्त किए गए प्रशासकों पर संबंधित सोसायटी में जमा होने वाली मासिक राशि, मरम्मत, खर्च की जाने वाली राशि में भ्रष्ठाचार, पदाधिकारियों द्वारा उनके पदों का दुरुपयोग, सोसायटी के बायलॉज (नियम-कानून) का उल्लंघन किए जाने आदि की गहन जांच कर ६ माह के भीतर पुन: उन सोसायटियों में चुनाव कराने की जिम्मेदारी होती है, ऐसी जानकारी उप निबंधक अधिकारी किशन रत्नालेने दी है. मीरा-भायंदर शहर के हाउसिंग सोसायटियों के अंदरूनी विवादों, समस्याओं को दूर करने के लिए राज्य सरकार द्वारा स्वतंत्र उपनिबंधक कार्यालय शुरू की गई है, लेकिन इस कार्यालय का कामकाज विवादित रहा है और भ्रष्ठाचार के आरोप भी लगते रहे है. कई हाउसिंग सोसायटी के पदाधिकारियों और सदस्यों द्वारा शिकायत किए जाने के बाद भी उस पर संज्ञान नहीं लिए जाने के आरोप किए जा रहे हैं. वहीं स्थानीय विधायक गीता जैन और प्रताप सरनाईक ने भी उपनिबंधक कार्यालय में दलालों का जमावडा होने और कामकाज के प्रति नाराजगी जाहिर की गई थी. इसकी लिखित शिकायत भी दोनों विधायकों ने की थी. हाल ही में एक सोसायटी में प्रशासक नियुक्त करने के लिए निबंधक कार्यालय में कार्यरत लिपिक को २५ हजार रुपए रिश्वत लेते भी रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया था.

महानगरपालिका में अनुसूचित जाती आयोग को लेकर बैठक

भायंदर : राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य तथा निजी सचिव के दौरे को लेकर महानगरपालिका बैठक आयोजित की गई। जिसमे पूर्व सांसद संजीव नायक, अति. आयुक्त संभाजी पानपट्टे, उपायुक्त संजय शिंदे, उपायुक्त कल्पिता पिंपले, शहर अभियंता दीपक खंबित, विभागों के प्रमुख सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में मीरा भायंदर मनपा द्वारा अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए किए गए कार्यों ब्योरा प्रस्तुत किया गया. पालिका में अनुसूचित जाति एवं जनजाति कर्मचारियों को दिये गये आरक्षण के संबंध में जानकारी दी गयी। महानगरपालिका द्वारा डेमोक्रेट अन्नभाऊ साठे शहरी बस्ती सुधार योजना के तहत कंक्रीट सडक़ निर्माण, नाली स्लैब बिछाने, थिएटर निर्माण आदि कार्य किए जाएंगे। इन सभी विषयों पर विचार करते हुए सदस्य ने कहा कि मीरा भायंदर मनपा का काम संतोषजनक है और अगले ३० दिनों में किए गए काम की विस्तृत रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक-मुद्रक सीमा गुप्ता के लिए (प्रिंटींग) सागर प्रिंट एंड प्रोसेस, प्रगती इंडस्ट्रीयल, एन.एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल (पूर्व), मुंबई - ४०००११ से मुद्रित १०१, १ला माला सेक्टर ११ सी-२८, टी.एम.टी. बस स्टॉप के पीछे, शांतिनगर, मीरारोड (पूर्व), जिला थाना ४०११०७ (महाराष्ट्र) से प्रकाशित संपादक - सीमा गुप्ता, सलाहकार : सुधाकर डी., पी.आर.बी अधिनियम के अंतर्गत समाचारों के चन के लिए उत्तरदायी है। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र केवल जिला थाना रहेगा।
RNI NO. MAHHIN/2004/17839 Mob.No.9757262120 Email :newsjankalyanseva@gmail.com Jankalyan Seva GST No. 27AGUPG9011BIZI